दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-5

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF / OPT-23 **H-2305**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Gangavar **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** _____

Center & Date: Mukherjee Nagar, 19.8.23 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0806397

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	3.5	4	4.5	3.5	4.5	20	5	4	4	5	4	3	20
2	11	6.5	8	-	-	25.5	6	-	-	-	-	-	
3	-	-	-	-	-		7	12	8	7	-	-	27
4	-	-	-	-	-		8	-	-	-	-	-	
						सकल योग (Grand Total)							92.5

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

→ प्रस्तुति अच्छी है।

→ सभी प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।

→ विषयवस्तु की अवधारणात्मक समझ अच्छी है।

→ भाषा को और प्रवाहपूर्ण रखें।

→ कंटेंट की समझ ठीक है, परन्तु प्रश्न की मांग अनुरूप उत्तर को विस्तार दें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) बाबर के बाद हुमायूँ ने किस प्रकार अपने शासन को सुदृढ़ किया। परीक्षण कीजिये।

Examine how Humayun consolidated his reign after Babur.

मुगल साम्राज्य की स्थापना बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध, खानवा के युद्ध में व चन्देरी के युद्ध में विजय प्राप्त कर की थी।

बाबर की असमय मृत्यु के पश्चात इसका साम्राज्य हुमायुँ ने अपने भाइयों में बाँट कर व, भारत के साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण आरम्भ किया। जैसे कि -

i) कामरान व हिंदाल के द्वारा विद्रोह करने पर उन्हें युद्ध में पराजित किया।

ii) गुजरात के शासक को दो बार पराजित किया।

iii) पूर्व में बंगाल का विद्रोह को दबाने का प्रयास किया, किन्तु शेरशाह की वजह से सफलता हाथ नहीं लगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iv) राजपूत राज्यों को पराजित कर साम्राज्य का सीमा विस्तार किया। हालांकि हुमायुँ ने साम्राज्य को मजबूत बनाने की कोशिश की, किन्तु शेरशाह को कमजोर समझने की भूल के चलते उसने कन्नौज ई चौसा के युद्ध में हारकर अपने साम्राज्य का गँवा भी दिया। ये बात अलग है कि उसने अपना साम्राज्य अपने जीवनकाल में ही पुनः प्राप्त भी (1555) कर लिया।

अतः हुमायुँ के बारे में कुछ विद्वानों का ये मानना कि उसमें रणनीतिक योग्यता नहीं थी, पूर्णतया; सत्य नहीं है क्योंकि खोये साम्राज्य की पुनः प्राप्ति वाला वह एकमात्र मध्यकालीन शासक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सुलह-ए-कुल की नीति अकबर की सामाजिक परिपक्वता की उपज थी। परीक्षण कीजिये।
Policy of Sulh-i-kul stemmed from Akbar's social maturity. Examine.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुलह-ए-कुल की नीति का विकास अकबर ने इबादतखाना के प्रयोग एवं परीक्षण की नीति के बाद किया था।

वस्तुतः अकबर को यह समझ थी कि अगर बहुसंख्यक जनता पर लंबे समय तक शान्ति से शासन करना है तो धार्मिक व सामाजिक उदारता की नीतियाँ काफी सहायक सिद्ध होंगी।

इसी क्रम में 1562 में दास-प्रथा पर रोक, 1563 में सती प्रथा पर रोक तथा 1564 जजिया की समाप्ति कर अपने राज्य की बहुसंख्यक जनता का समर्थन प्राप्त करने का प्रयास किया।

सुलह-ए-कुल संबंधी मानसिक चेतना के विकास क्रम की प्रक्रिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में इबादतखाना के जरिये ये जाना कि धर्मों में मूलभूत तत्व समान हैं, बस व्याख्याकारों की वजह से मतभेद विद्यमान है। अतः उसने धार्मिक उदारता एवं सहयोग तथा समन्वय के माध्यम से राज्यनीति के निर्माण पर बल दिया।

इसी क्रम में उसने विभिन्न राजपूत राज्यों से वैवाहिक सम्बन्ध भी (आमेर) कायम किया तथा धर्म सम्बन्धी इन राजपूत रानियों को प्रदान की।

अतः स्पष्ट है कि सुलह-ए-कुल की नीति अकबर द्वारा भारत में मुगल साम्राज्य के स्थायित्व तथा प्रसार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हुई, जिससे राजपूती तलवार का इस्तेमाल मुगलिया सल्तनत के विस्तार हेतु किया जा सका।

4/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) कबीर और नानक ने निर्गुण भक्ति को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चर्चा कीजिये।

Kabir and Nanak played a crucial role in popularising Nirguna Bhakti. Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भक्ति आन्दोलन के उत्तर भारत के स्वरूपों में निर्गुण भक्ति का प्रमुख स्थान है जिसमें कर्मकाण्डों की अपेक्षा ज्ञानप्राप्ति से मोक्ष प्राप्ति पर बल दिया गया।

निर्गुण भक्ति में कबीर, नानक, रैदास, आदि प्रमुख हैं। इनका योगदान निम्नलिखित है:

i) जाति-पाति के भेदभाव को मानने से इनकार कर निम्नवर्ग में लोकप्रियता हासिल की।

ii) कबीर ने मूर्तिपूजा व कर्मकाण्ड की घोर निन्दा की तथा कहा भी कि "पाथर पूजे हरि मिले तो मैं पूजू पहार"

iii) नानक ने भी एकेश्वरवाद तथा मानव सेवा पर बल देते हुए, सिख पंथ की

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थापना की।

iv) भक्ति आन्दोलन के लिए विभिन्न शिक्षाओं का क्षेत्रीय भाषा में प्रसार किया ताकि आम जनमानस से जुड़ाव हो।

v) वर्गभेद, धार्मिक आधार पर तनाव को भी खत्म करने का प्रयास किया। जैसे कि

a) कांकर पाथर जोर के मस्जिद लई बनाए--

b) कबिरा खड़ा बाजार में, मांगी सबकी खैर---

vi) आडम्बरवाद, छुआ-छूत आदि पर गहरी चोट की ताकि सामाजिक सुधार हो सके।

निष्कर्ष तौर पर यह कहा जा सकता है कि नानक & कबीर ने अपने समानता, समन्वय, जैसे विचारों के माध्यम से भक्ति आन्दोलन को उत्तर भारत में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Good

नानक की भूमिका को भी संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें

4.5/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मुगल काल के दौरान महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिये।

Highlight the conditions of women during the Mughal Empire.

मध्यकालीन भारत के इतिहास में राजनीतिक, सैनिक, आर्थिक दृष्टि से मुगलकाल का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाता है।

मुगलकाल में महिलाओं की स्थिति आम महिला तथा राजसी वर्ग की महिलाओं, दो वर्गों में विभाजित कर देखी जा सकती है।

i) राजसी वर्ग की महिलाओं को सामंतों पर पर्दा प्रथा (मुगल रानियाँ) का पालन करना पड़ता था।

ii) राज-काज सम्बन्धी प्रत्यक्ष हस्तक्षेप सीमित था, फिर भी माहम अनगा, नूर-जहाँ का उदाहरण भी मिलता है।

iii) आर्थिक स्थिति राज्य पर निर्भर तथा शिक्षा के क्षेत्र में संगीत, कुरान की पढ़ाई जैसे कार्य ही स्वीकृत थे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iv) ग्राम स्त्रियों की स्थिति अपेक्षाकृत अधिक खराब थी।

v) घरेलू कार्यों तथा कृषि मजदूरी सम्बन्धी कार्यों को भी करती थी।

vi) पर्दा प्रथा, सती प्रथा, राजपूत समाज में जौहर प्रथा, बाल विवाह, देवदासी प्रथा आदि का भी प्रचलन था।

vii) राजपूतों में कन्या भ्रूण हत्या का प्रचलन भी था।

viii) आर्थिक तौर पर निजी धन की अधिकार नहीं था।

ix) शिक्षा के अवसर सीमित थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भले ही मुगलकाल आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से समृद्ध था किन्तु वह मध्यकालीन जड़ता से ग्रसित था जिस वजह से मुगलकाल में भी महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत निम्न थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(e) 15वीं-16वीं शताब्दी की भारतीय-इस्लामिक (इंडो-इस्लामिक) वास्तुकला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

Highlight the features of Indo-Islamic architecture of 15th-16th century.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारतीय-इस्लामिक वास्तुकला का प्रारम्भ तुर्की स्थापत्य से लेकर मुगलकाल तक का प्रमुख रूप से माना जाता है।

15वीं-16वीं शताब्दी में इंडो-इस्लामिक वास्तुकला मुख्यतया लोदी काल, जौनपुर का शर्की स्थापत्य, मालवा का ~~सल्तनत~~ महमूद खिलजी स्थापत्य तथा बाबर & अकबर के काल तक जाता है।

अन्य क्षेत्रीय स्थापत्यों पर पड़े प्रभावों की चर्चा करें।

विशेषताएँ:-

i) लोदी काल में अष्टकोणीय संरचनाओं की शुरुआत।

ii) चबूतरे के ऊपर तथा बाग के मध्य में निर्माण (चारबाग शैली की शुरुआत)

iii) जौनपुर के स्थापत्य में ऊँची मीनारें, तथा तिरछी दीवारों का प्रयोग प्रमुख है।

iv) दोहरे गुम्बद की शुरुआत (हुमायूं का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मकबरा)

v) अकबर द्वारा बनवायी गयी संगमल की मस्जिद आदि में मेहराब तथा गुम्बद का प्रयोग।

vi) अकबर कालीन स्थापत्य में आगरा का किला, पंचमहल, जोधाबाई का महल, बुलन्द दरवाजा आदि प्रमुख है।

vii) निर्माण में बलुआ पत्थर तथा कुछ मात्रा में संगमरमर का प्रयोग।

viii) बौद्ध शैली (पंचमहल), ईरानी स्थापत्य तथा तुर्की शैली की विशेषताओं का भी समावेश किया।

मध्य मुगल & सल्तनतकालीन स्थापत्य तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक स्थितियों का स्पष्ट प्रतिबिम्ब है जिसकी सुदृढ़ता मुगलकाल में शाहजहाँ के दौरान चरम पर होती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

4.5/10

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) शेरशाह सूरी के महत्त्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डालिये। 20

Highlight the significant contributions made by Sher Shah Suri. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शेरशाह सूरी ने मुगल बादशाह हुमायुँ को 1540 में हराकर द्वितीय अफगान साम्राज्य की नींव डाली थी। उसने अपने दौरे से (5 वर्ष) कार्य-काल में बहुत से कार्य किये।

राजनीतिक क्षेत्र में योगदान :- i) साम्राज्य के स्थिरीकरण केन्द्रीकृत नियंत्रण पर बल दिया तथा बंगाल का विभाजन विभिन्न सरकारों में करके नियंत्रण हेतु एक केन्द्रीय अधिकारी नियुक्त किया।

ii) कूटनीति, सैन्य वीरता के बल पर अति अल्प समय में साम्राज्य का निर्माण कर उत्तर-पश्चिम से गक्खरों का सफाया किया।

आर्थिक क्षेत्र में :- i) भू-राजस्व का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

निर्धारण भूमि-माप के (जबती पद्धति) बाद किया तथा भूमि का वर्गीकरण भी किया।

(i) मुद्रा-प्रणाली में चाँदी का रुपया तथा ताँबे का दाम चलाया।

(ii) व्यापार-वाणिज्य के विकास हेतु पेशावर से बंगाल तक शेरशाह सूरी मार्ग का निर्माण करवाया।

(iv) सड़क के चारों ओर सरायों, अस्पतालों का निर्माण भी करवाया।

सामाजिक क्षेत्र में:- i) साम्राज्य में क्षेत्रीय उत्तरदायित्व का प्रशासन लागू किया, अर्थात आपराधिक घटना की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी पर आरोपित की। इसी वजह से कहा गया कि "उसके साम्राज्य में 80 वर्षीय वृद्धा सोने के आभूषणों से भरा टोकरा लेकर मध्य रात्रि में बिना चिंता के सफर कर सकती थी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

निर्माण कार्य में:- बिहार में सासाराम का मकबरा (पानी के मध्य में बना), रोहतास गढ़ का किला, पुराना किला (दिल्ली), किला-ए-कुहना मस्जिद आदि निर्माण कार्य प्रमुख है।

इन सबके अतिरिक्त इसके काल में सल्तनत कालीन दाग व हुलिया प्रथा की वापसी, रैय्यतों से सीधा सम्बन्ध बनाकर इनकी सुरक्षा जैसे कदम भी देखे जा सकते है।

अतः स्पष्ट है कि शेरशाह सूरी आर्थिक नीतियों & योगदान के सन्दर्भ में मकबरा का पूर्वगामी सिद्ध होता है। जिसके कार्यों में सुधार एवं अनुसरण न केवल मुगल साम्राज्य ने किया अपितु काफी हद तक ब्रिटिश प्रणाली में इसके तत्व विद्यमान थे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11/20

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) एक राजनीतिक शक्ति के रूप में मराठों के उत्कर्ष की विवेचना कीजिये। 15

Trace the growth of Marathas as a political power. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औरंगजेब के काल में मराठों को संगठित कर छापामार प्रणाली द्वारा पश्चिम भारत (दक्कन) पर एक सुगठित साम्राज्य का निर्माण शिवाजी ने किया था।

मराठों के राजनीतिक उत्कर्ष को निम्नलिखित बिंदुओं के तहत समझ सकते हैं:-

i) शिवाजी ने एक जागीरदार की हैसियत से ऊपर उठकर एक क्षेत्रीय राज्य का निर्माण किया। जिसमें पुरंदर की संधि, मुगल क्षेत्रों में लूट-पाट, बीजापुर से संघर्ष आदि घटनाएँ प्रमुख हैं।

ii) शिवाजी द्वारा "हैन्दव धर्मोद्धारक" की उपाधि लेकर 1674 में अपना राज्याभिषेक करवाया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iii) शिवाजी की मृत्यु (1680) के पश्चात मराठा साम्राज्य मुगलों के विरुद्ध उतना प्रभावी नहीं रहा। इस सन्दर्भ में शम्भा जी की हत्या, साहू जी का कैद (मुगल) में रहना आदि घटनाएँ प्रभावित हुयी।

iv) साहू जी की मुगल कैद से आजादी (1707) के बाद मराठों के आंतरिक संघर्ष में राजाराम की माँ ताराबाई को हराकर साहू जी छत्रपति बनते हैं।

v) पेशवा के युग में बाजीराव प्रथम ने मराठा शक्ति का विस्तार अटक से लेकर कटक तक किया। इस सन्दर्भ में इसने पुर्तगालियों को पराजित किया, हैदराबाद के निजाम को पराजित किया आदि। इसका मानना था कि "मुगल साम्राज्य की जड़ों पर प्रहार कर पेड़ को नष्ट किया जा सकता है।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

vi) मुगल साम्राज्य अपने चरम पर पेशवा बालाजी बाजीराव के समय पर पहुँचता है। जब एक समय मुगल बादशाह तक इसके हाथों की कठपुतली होता है।

vii) हलांकि पानीपत के तृतीय युद्ध (1761) में पराजय के पश्चात मराठों का राजनीतिक प्रसार रुक जाता है, और बाद में मराठें विभिन्न संघो में विभक्त हो जाते है।

अतः निष्कर्ष यह निकलता है कि मुगल साम्राज्य द्वारा छोड़े गये रिक्ति को भरने की मराठों ने सम्पूर्ण कोशिश की किन्तु मध्यकालीन शासन प्रणाली, गुप्तचर व्यवस्था की अक्षमता, सैन्य तकनीक में पुरातनता आदि वजहों से इसमें पूरी तरह सफल नहीं हो सके।

08/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 18वीं शताब्दी अराजकता और पतन की शताब्दी थी। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 15

The 18th Century was a century of chaos and decline. Critically analyse. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

18 वीं शताब्दी में सम्पूर्ण भारतीय उप-महाद्वीप में मुगलों के साम्राज्य के विघटन के पश्चात विभिन्न क्षेत्रीय शक्तियाँ यथा पश्चिम में जाट, सिख, राजपूत, अवध में शुजाउद्दौला, बंगाल में मुर्शीद कुली खाँ, दक्षिण में मराठे आदि।

उपर्युक्त परिदृश्य के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक निहितार्थों की वजह से इसे अराजकता एवं पतन का काल कहा जाता है। हालांकि कुछ हद तक यह सत्य भी था क्योंकि

i) मराठों द्वारा चौथ व सरदेशमुखी वसूली के क्रम में उत्तर भारत में अराजकता का माहौल था।

ii) विभिन्न क्षेत्रीय राज्य आपस में संघर्ष कर रहे थे। एक केन्द्रीय राज्य व्यवस्था

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(मुगल साम्राज्य) की कमी थी।

iii) इस सदी के उत्तरार्द्ध में अंग्रेजों द्वारा बंगाल में नियंत्रण से स्थिति और भी गम्भीर हो गयी।

iv) राजनीतिक अस्थिरता की वजह से व्यापारिक गतिविधियों, आर्थिक गतिविधियों में कमी आयी। कृषि उत्पादन में गिरावट हुयी तथा अर्थव्यवस्था तनाव-ग्रस्त हुयी।

v) इसी प्रकार संस्कृति & निर्माण के क्षेत्र में भी पतन का काल था, क्योंकि कोई नया निर्माण (महत्वपूर्ण प्रकृतियां) न हो रहा था और न ही साहित्य, संगीत के क्षेत्र में इतना विकास देखा गया।

हालांकि 18 वीं सदी में विभिन्न क्षेत्रीय राज्यों द्वारा अपने स्तर पर आर्थिक, क्रियाओं द्वारा

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~साम्राज्य~~ अर्थव्यवस्था को सहारा देने की कोशिश की गयी। इस सन्दर्भ में सिख राज्य, बंगाल में मुर्शीद कुली खाँ के सुधार, हैदर अली का मैसूर में योगदान तथा राजपूत राजा सवाई जयसिंह द्वितीय आदि की भूमिकाओं को समझा जा सकता है।

वहीं सांस्कृतिक क्षेत्र में क्षेत्रीय राजपूत शैलियों, कम्पनी कला, विक्टोरिया निर्माण शैली (गोथिक स्थापत्य) आदि की उपस्थिति को देखा जा सकती है।

अतः 18 वीं सदी में अराजकता & पतन की प्रवृत्तियाँ प्रमुखता से विद्यमान थीं किन्तु क्षेत्रीय स्तर पर कुछ-कुछ राज्यों में भी एकीकरण तथा विकासात्मक प्रक्रिया भी विद्यमान थी।

6.5/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) भक्ति संतों ने समकालीन उत्तर भारतीय समाज को किस हद तक और किस तरह से प्रभावित किया? 20

How far and in what respects did Bhakti Saints influence contemporary north Indian society? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भक्ति आंदोलन की शुरुआत दक्षिण भारत में 6 वीं - 7 वीं सदी में हुयी थी, जिसको उत्तर भारत में लोकप्रिय बनाने का श्रेय 'रामानंद' को दिया जाता है।

समकालीन उत्तर भारत के समाज में जाति प्रथा, छुआछुत की समस्या, धर्म संबंधी नैराश्य की भावना, मूर्तिपूजा, कर्मकांड, सांप्रदायिकता आदि तत्व विद्यमान थे।

भक्ति आन्दोलन के सामाजिक प्रभावों को निम्न तरह से समझा सकते हैं:-

1) भक्ति आंदोलन की ज्ञानमार्गी शाखा के कवियों ने एकेश्वरवाद पर बल दिया तथा मूर्तिपूजा एवं कर्मकांड की निन्दा की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे : कबीर, नानक, रैदास

ii) भक्ति आंदोलन की सगुण भक्ति धारा ने प्रेम, प्रार्थना, संकीर्तन द्वारा मोक्ष प्राप्ति पर बल दिया ताकि कर्मकांड सम्बन्धी अवधारणा को चोट पहुँचे जैसे- बंगाल में चैतन्य महाप्रभु, महाराष्ट्र में नामदेव एकनाथ, तथा अन्य संत।

iii) भक्ति आंदोलन के जरिये संस्कृत भाषा के अभिजात्यवादी स्वरूप को ठेस पहुँची तथा साहित्य की निर्माण क्षेत्रीय भाषा-साहित्य में हुआ। जैसे- रामचरित मानस का अवधी में लिखा जाना।

iv) समाज के स्तर पर छुआ-छूत का विरोध किया गया तथा इसके प्रभाव को इस तथ्य से समझ सकते हैं कि तत्कालीन कबीर, रैदास, मलूकदास आदि निम्नजाति से संबंधित थे।

Good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

v) इसी प्रकार समाज में व्याप्त धार्मिक तनाव को समाप्त करने का प्रयास करते हुए एकेश्वरवाद, निर्गुण भक्ति तथा ईश्वर प्रेम पर भी बल दिया गया।

हालांकि भक्ति आन्दोलन ने समाज को विविध क्षेत्रों में प्रभावित किया, किन्तु महिला संतों (आण्डाल, मीराबाई आदि) के होते हुए भी, महिला स्थिति में खास परिवर्तन नहीं आया। इसे कबीर, तुलसी आदि की पंक्तियों के सन्दर्भ में समझा भी जा सकता है, कि "नारी की झाईं पड़त, अंधा होत भुजंग" आदि

अतः भक्ति आन्दोलन अपने स्वरूप में सामाजिक-धार्मिक सुधार से युक्त था, किन्तु इसकी सीमित चरम अभिव्यक्ति ब्रिटिश काल में सामाजिक धार्मिक सुधार आन्दोलन के दौरान दिखती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) दक्कन में निहित चुनौतियाँ, दक्कन में मुगल नीति की अक्षमता से अधिक प्रभावशाली थीं। विश्लेषण कीजिये। 15

Inherent challenges in Deccan weighed more than the incompetence of mughal policy in Deccan. Analyse. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दक्षिण में विस्तार हर उत्तर भारतीय शासक का सपना रहा है। इस सन्दर्भ में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा शुरुआत की गयी थी, जिसकी निरंतरता मुगल काल में भी विद्यमान रही थी।

मुगलकाल में दक्कन विस्तार की प्रक्रिया अकबर के द्वारा खानदेश पर कब्जे के साथ की गयी थी। जिसमें शाहजहाँ द्वारा अहमदनगर की विजय (1636) तथा औरंगजेब द्वारा बीजापुर & गोलकुंडा की विजय प्रमुख हैं।

दक्कन में उत्तर भारतीय शासक द्वारा विस्तार के पश्चात विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। जैसे कि उत्तर से अत्यधिक दूरी की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वजह से प्रशासनिक शिथिलता तथा इस वजह से दक्षिण में विद्रोह का उत्पन्न होना। इस चुनौती से निपटने हेतु मुगल औरंगजेब दक्षिण में आ गया। फलतः दक्कन के नासूर ने उसका अन्त कर दिया।

इसी प्रकार दक्कन में निहित सांस्कृतिक, सामाजिक विभिन्नता की वजह से यहां उत्तर भारतीय शासक के स्थायित्व की संभावना कम हो जाती थी। जैसे कि मराठों की छापामार प्रणाली तथा स्वतंत्रता आन्दोलन जैसा सैनिक प्रयास तो बीजापुर व गोलकुण्डा की अपनी महत्वाकांक्षाएँ।

इसी क्रम में दक्कन की भौगोलिक स्थिति भी इसे दुर्जेय बनाती थी जबकि व्यापार-वाणिज्य, खनिज एवं

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपयोगों की उपस्थिति की वजह से आर्थिक स्तर पर उत्तर भारतीय शासकों को चुनौती मिलती थी।

दक्कन के सन्दर्भ में शाहजहाँ द्वारा अपनाया गया शान्ति संधि का प्रयास (1636) असफल रहा जिसने दक्कन में मुगलों को स्थायित्व दिया किन्तु 1666 में संधि के टूटने के पश्चात औरंगजेब मराठा, बीजापुर एवं गोलकुंडा के साथ लम्बे संघर्ष में उलझ गया।

अतः स्पष्ट है, कि दक्कन में मुगल नीति अक्षमता तथा कुशलता के विभिन्न चरणों से होकर गुजरी। जिसमें अन्ततः औरंगजेब की अक्षमता तथा अत्यधिक उत्साह की नीति ने मुगल राज्य के विघटन में योगदान दिया।

08/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) शेरशाह सूरी ने पूर्व में रहे शासकों की तुलना में अपनी प्रजा पर शासन करने के अधिक उदार तरीके अपनाए। परीक्षण कीजिये। 15

Sher Shah adopted more benevolent ways of ruling his subjects than rulers before him. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

शेरशाह ने मुगल सम्राट हुमायूँ को हराकर 1540 में द्वितीय अफगान साम्राज्य की नींव डाली तथा शेर जैसी बहादुरी तथा लोमड़ी जैसी कूटनीति के साथ राज्य पर शासन किया।

शेरशाह ने पूर्वी सल्तनत काल, पूर्व मुगल काल, प्रारंभिक मध्यकालीन शासकों की तुलना में विभिन्न नये कार्य किये तथा प्रणालियों को अपनाया जिस वजह से इसका शासन उदारता युक्त भी कहा जाता है। जैसे कि :-

1) पूर्व के शासकों की तुलना में राज्य की नीतियों में धार्मिक तत्व का कम प्रभाव था। जिस वजह से धार्मिक क्षेत्र में उदारता कायम थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) शेरशाह द्वारा पूर्व के किसी भी शासक की अपेक्षा साम्राज्य के आंतरिक भागों पर सुरक्षा की व्यवस्था की तथा अधिकारियों के साथ कड़ाई तथा जनता के प्रति नरमी से बर्ताव किया।

(iii) इसी प्रकार भू-राजस्व के सन्दर्भ में इसका मानना था कि निर्धारण में नरमी तथा वसूली में कड़ाई। इससे की अच्छी का दृष्टिकोण दिखाई देता है।

(iv) शेरशाह द्वारा साम्राज्य में विभिन्न मार्गों का निर्माण, सरायों का निर्माण किया गया, जिसके लिए इसने कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं वसूल किया। जैसे - शेरशाह सूरी मार्ग का निर्माण हालांकि कुछ सन्दर्भों में शेरशाह द्वारा उदारता का परित्याग कर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

सख्ती से कार्य भी किया गया। जैसे कि विभिन्न सैनिक अभियानों में छल-कपट की सहायता से विजय के लिए प्रयास किया तो बंगाल में विद्रोह को न पनपने हेतु एक सख्त प्रशासनिक नियंत्रण व्यवस्था का निर्माण भी किया। इस सन्दर्भ में इसे उसकी सैनिक, प्रशासनिक तथा राज्य के स्थायित्व संबंधी रणनीति भी कहा जा सकता है।

अतः अपनी विभिन्न उदारता की नीतियों की वजह से तथा भू-राजस्व सम्बन्धी सुधार, मुद्रा प्रणाली की सुधार, विभिन्न निर्माणों की वजह से शेरशाह मुगल बादशाह अकबर का अनुगामी ठहरता है।

व्याख्या में

विरोध निर्णयों का समुचित प्रयोग करें

07/15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) बहमनी संस्कृति भारतीय उपमहाद्वीप की भौगोलिक सीमाओं से भी कहीं अधिक विस्तृत थी। टिप्पणी कीजिये।

Bahmani culture far exceeded the physical contours of the Indian subcontinent. Comment.

बहमनी संस्कृति का विकास बहमनी साम्राज्य के दौरान दक्षिण भारत में प्रमुखता से माना जाता है।

वस्तुतः बहमनी संस्कृति में तत्कालीन तुर्की, ईरानी, हिन्दू स्थापत्य के तथा अन्य सांस्कृतिक तत्वों का समावेश माना जा सकता है। भौगोलिक तौर पर बहमनी साम्राज्य की उपस्थिति विंध्य के दक्षिण से लेकर कृष्णा-गोदावरी के दोआब तक थी, किन्तु बहमनी संस्कृति के तत्व अपनी इस भौगोलिक सीमा से पार निकल गये थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बहमनी राज्य की उत्तर व दक्षिण के बीच सांस्कृतिक सेतु की भूमिका को बिन्दुवार स्पष्ट करें।

बहमनी साम्राज्य में विभिन्न ईरानी, तूरानी अमीरों की उपस्थिति की वजह से इसमें फारसी, तुर्की, ईरानी तत्वों का भी समावेश हो गया था। जैसे कि बहमनी साम्राज्य का प्रधानमंत्री महमूद गवां एक ईरानी व्यापारी था।

इसी प्रकार बहमनी संस्कृति में उत्तर भारत के तत्वों को भी देखा जा सकता है। जिनकी शुरुआत तुगलक द्वारा राजधानी परिवर्तन के समय दक्षिण में लोगों के लाने से हुई थी।

इस प्रकार स्पष्ट है कि बहमनी संस्कृति राज्यक्षेत्रातीत प्रकृति से युक्त थी और तत्कालीन दक्षिण भारत की समन्वित हिन्दु-मुस्लिम संस्कृति का प्रतीक भी थी।

4/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) राजपूत चित्रकला पर मुगल प्रभाव का परीक्षण कीजिये।
Highlight the Mughal influence on Rajput Paintings.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मध्यकालीन भारत में चित्रकला के स्तर पर अकबर & जहाँगीर के काल को स्वर्णिम माना जाता है, जिसके दौरान मुगल चित्रकला ने विभिन्न क्षेत्रीय तत्वों को अपने में समाहित किया।

हालाँकि समाहित करने की इस प्रक्रिया के दौरान राजपूत चित्रकला पर भी मुगल चित्रकला के प्रभावों को देखा जा सकता है जैसे कि:

i) मुगल चित्रकला में दरबारी चित्रण की परम्परा थी जिसको राजपूती कला ने अपनाने का सफल प्रयास किया है।

ii) मुगल चित्रकला में व्यक्तिचित्र (पोर्ट्रेट) बनाने का प्रचलन था, जिसको

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राजपूत चित्रकला में देखा जा सकता है।

(ii) राजपूती चित्रकला में सम्पवेशित शिकार के दृश्य, युद्ध के दृश्यों का चित्रण आदि भी कुछ हद तक, मुगल चित्रकला से प्रेरित माने जा सकते हैं।

इसी प्रकार मुगल चित्रकला में राजपूती चित्रकला से प्रकृति चित्रण, लाल-नीले रंगों का प्रयोग, पंखे ब्रश की जगह गोल ब्रश का प्रयोग आदि तत्वों को ग्रहण किया है।

अतः मुगल चित्रकला ने इस समय की विभिन्न चित्रकला शैलियों से उनकी विशेषताओं को अपनाते हुए, एक संश्लेषित तथा अधिक उत्तम चित्रकला प्रणाली का विकास किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उत्तर पश्चिम में मुगलों की विदेश नीति की चर्चा कीजिये।

Discuss the Mughal's foreign policy in the northwest.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बाबर द्वारा बनाये गये राज्य को जब अकबर ने साम्राज्य में तब्दील कर दिया तब मुगलों ने अपनी विदेश नीति पर ध्यान देना शुरू किया।

इस सन्दर्भ में ऐसा शुरुआत अकबर के काल में ही होती है। जिसके तहत ईरान के सफवी वंश से कान्धार को लेकर संघर्ष चलता रहता है। जिस पर अकबर ने नियंत्रण भी कायम किया।

इसी प्रकार जहाँगीर की नीति भी उत्तर-पश्चिम में कान्धार तथा बाबर की जन्मभूमि (फरगाना) (मध्यएशिया) से सम्बन्धित हितों से संचालित थी। जिसमें कान्धार पर ईरान का कई बार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नियन्त्रण स्थापित भी हुआ।

जब शाहजहाँ ने मध्य एशिया में अभियान कर बुखारा, बल्ख पर अधिकार किया, तो मुगलों का अपनी पैतृक भूमि सम्बन्धी सपना साकार हुआ किन्तु अनुपयुक्त जलवायु दशाओं के चलते यह जगह भी छोड़नी पड़ी। इसी के साथ कंधार पर भी ईरान का कब्जा अन्ततः हो गया।

औरंगजेब स्थानीय समस्याओं में ही उलझा रहा। अतः इस दौरान विदेशी नीति मुख्यतया संरक्षणवादी ही रही।

निष्कर्ष तौर पर यह देखा जा सकता है कि मुगलों की विदेश नीति तत्कालीन राजनीतिक-आर्थिक महत्वाकांक्षाओं का परिणाम थी।

मुगलों के उज़्बेक, सफवी तथा उज़्बेक आटोमन तुर्कों (की चर्चा करें)

5/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मुगल वास्तुकला ने मुगलों की भव्यता के साथ-साथ इनके पतन को भी देखा। चर्चा कीजिये।

Mughal Architecture witnessed the pomp and ruin of the Mughals likewise. Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगल वास्तुकला की शुरुआत मुगलकाल के शुरुआत (बाबर) के साथ होती है, और अकबर, शाहजहाँ से होते हुए इसका अवसान मुगलों के पतन (औरंगजेब) के साथ हो जाता है।

वस्तुतः बाबर द्वारा युद्धों में विजय के अतिरिक्त स्थापत्य के क्षेत्र में पानीपत की मस्जिद, सँभल की मस्जिद जैसे निर्माण किये गये, जो कि मुगल स्थापत्य का शैशवकाल था।

इसी क्रम में हुमायु ने दीन-पनाह भवन का निर्माण किया तो अकबर के समय वास्तुकला ने युवावस्था को ग्रहण किया। इस दौरान पंचमहल, बुलन्द दरवाजा, आगरा का किला, फतेहपुर सीकरी का नगर आदि महत्वपूर्ण निर्माण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

देखा जा सकता है।

अकबर के बाद जहाँगीर के काल में सिकंदरा का मकबरा तथा पिताइरा तकनीक युक्त एतमाद्दौला का मकबरा प्रमुख है। इसी क्रम में शाहजहाँ के काल में ताजमहल, लाल किला, जामा मस्जिद (दिल्ली) आदि निर्माण के साथ मुगल स्थापत्य अपने चरम पर पहुँचता है।

औरंगजेब के काल में जहाँ मुगल साम्राज्य विभिन्न मराठा, सिख, जाट समस्याओं से घिरकर पतन की ओर बढ़ता है, तो स्थापत्य की राबिया उद-दौरानी के मकबरे के साथ अवसान की ओर बढ़ जाती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि साम्राज्य के स्थायित्व का सांस्कृतिक व सामाजिक तत्वों के साथ सीधा सम्बन्ध होता है।

4/10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) महमूद गवान ने बहमनी साम्राज्य में कई महत्वपूर्ण सुधार किये। टिप्पणी कीजिये।

Mahmud Gawan instituted several important reforms in the Bahamani empire. Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

बहमनी साम्राज्य की स्थापना महमूद 1346 में विजयनगर के उत्तर में हसन गंगू (अलाउद्दीन बहमन शाह) द्वारा की गयी थी।

बहमनी साम्राज्य में विभिन्न वंश तथा जाति के अमीरों का प्रभुत्व था। जिसमें ईरानी व्यापारी महमूद गवा अपनी योग्यता के बल पर साम्राज्य का प्रधानमंत्री बनता है।

महमूद गवा एक कुशल सैन्य रणनीतिकार, प्रशासक, निर्माणकर्ता था। जिसके सुधार निम्न बिंदुओं के तहत देखे जा सकते हैं:

1) प्रशासनिक कार्य में साम्राज्य को प्रांतो (तरफ) में बाँटा तथा इनपर एक तरफदार की नियुक्ति कर विकेन्द्रीकरण का प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया।

(i) सैन्य विजय के क्रम में विजयनगर सैन्य द्वारा पूर्व में विजित क्षेत्र वापस लिया।

(iii) कृषि क्षेत्र में विकास हेतु कृषि ऋण वितरण किये तथा भू-राजस्व निर्धारण में नरमी बरती।

(iv) शिक्षा के क्षेत्र में मदरसों का निर्माण करवाया। जिसमें राज्य द्वारा पोषित छात्रावास तथा शिक्षा (धार्मिक) का प्रबन्ध भी किया गया था।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि महमूद गँवा एक कुशल प्रशासक था किन्तु दरबारी गुटबन्दी व षड्यंत्र के चलते उसे उसके पद से हटाकर उसकी हत्या कर दी जाती है और बहमनी साम्राज्य कुछ ही समय में विभाजित (~~बरार~~ बरार, बीदर, बीजापुर आदि) हो जाता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था प्रशासन के सैन्य एवं नागरिक दोनों वर्गों को अंगीकार करने में सफल रहा। परीक्षण कीजिये। 20

Mansabdari and Jagirdari embraced both military and civil aspects of administration. Examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मनसबदारी एवं जागीरदारी व्यवस्था मुगल साम्राज्य को स्थायित्व तथा आर्थिक मजबूती देने में प्रमुख कारक थे। जिसमें मनसब मुख्यतया सैन्य सेवा तथा जागीरदारी राजस्व वसूली से सम्बन्धित था।

मनसबदारी & जागीरदारी के प्रभाव निम्नलिखित थे-

i) मनसब के तहत जात एवं सवार की संकल्पना, जिसके द्वारा सैन्य अमीरों की नियुक्ति की जाती थी।

ii) मनसब व्यवस्था के तहत सवार पद अधिकारी के सैनिक दायित्व का उल्लेख करता था।

iii) मनसबदार को वेतन नकद / जागीर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दोनों में दिया जाता था।

iv) जागीरदारी के तहत अधिकारी द्वारा केवल राजस्व संबंधी अधिकारों का प्रयोग किया जाता था। अतः नागरिक ~~प्रशासन~~ का वर्ग को सम्मिलित किया गया।

v) मनसबदार & जागीरदार दोनों के द्वारा साम्राज्य की सैन्य & आर्थिक जरूरतें पूरी की गयी।

vi) मनसबदारी के तहत मुगल साम्राज्य में एक नवीन अमीर वर्ग का निर्माण किया, जिसने साम्राज्य के स्थायित्व में योगदान दिया।

vii) इसी प्रकार जागीरदारी व्यवस्था के तहत राजस्व वसूली के नागरिक अधिकारों द्वारा साम्राज्य के दूरस्थ भागों से भी वसूली को सम्भव बनाया गया तथा साम्राज्य की पकड़ को बनाये रखा गया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हालांकि कुछ समय के पश्चात मनसबदारी व्यवस्था तथा जागीरदारी व्यवस्था में आयी कमजोरियों ने दरबारी गुटबन्दी तथा षडयंत्रों को बढ़ावा दिया, जिसकी वजह से मुगल साम्राज्य की पतन की भूमिका भी लिखी जाती है। जबकि कुछ विद्वानों का मानना है कि मनसबदारी & जागीरदारी संकट के अलावा कृषि संकट, औरंगजेब की नीतियाँ भी इतना ही जिम्मेदार थीं।

अतः यह कहा जा सकता है कि जागीरदारी & मनसबदारी व्यवस्था ने मुगल साम्राज्य के प्रसार & स्थायित्व में अतुलनीय योगदान दिया तथा परिस्थितियों के तहत जब इनमें विसंगतियों का निर्माण हुआ तो इन्होंने इसी साम्राज्य के विघटन में भी योगदान दिया।

12/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मुगल चित्रकला ने समकालीन समय के सामाजिक परिवेश को चित्रित किया। विश्लेषण कीजिये। 15

Mughal painting illustrated the social milieu of their contemporary times. Analyse. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगल चित्रकला मध्यकालीन चित्रकला का संपूर्णता के साथ नेतृत्व करते हुए विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक, प्राकृतिक परिवेशों का सहीकता से चित्रण करते हुए प्रतीत होती है।

मुगल चित्रकला के सन्दर्भ में दसवन्त, बसावन, बिशनदास, मँसूर आदि चित्रकार प्रमुख थे। मुगलकालीन चित्रकला एवं तत्कालीन समाज के सम्बन्ध को निम्नलिखित तथ्यों के तहत समझ सकते हैं-

i) अकबर के समय विद्यमान धार्मिक सहिष्णुता का चित्रण उस समय की चित्रकला में भी दिखता है। जैसे कि 'रज्मनामा' के तौर पर महाभारत का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पांडुलिपि चित्रण।

ii) इसी प्रकार चित्रों में 3D प्रभाव, यूरोपीय शैली का प्रयोग, मरियम एवं देवदत्त का चित्रण आदि ब्रिटिश एवं अन्य यूरोपीय तत्वों के भारतीय समाज में प्रसार को चिन्हित करते हैं।

iii) मुगलकाल में शिकार के दृश्यों का चित्रण, आर्थिक बाजारों का चित्रण आदि तत्कालीन समाज की आर्थिक एवं मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों पर भी प्रकाश डालती है।

iv) इसी प्रकार चित्रकारों के रूप में कहार के पुत्र के रूप में बिशनदास की उपस्थिति, जाति संबंधी मान्यताओं की मुगल प्रशासन में कमजोर स्थिति को सूचित करता है।

v) पशु-पक्षियों का चित्रण समाज के

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न-संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पर्यावरण प्रेमी तथा संरक्षणवादी प्रवृत्ति से युक्त होने को दर्शाता है। (मँसूर द्वारा पशु-पक्षियों का चित्रण)

v) चित्रकला में धार्मिक विषयों के अलावा अन्य विषयों का चित्रण जैसे कि दरबार का चित्रण, कृशकाय मेजनू का चित्रण, जहाँगीर का व्यक्ति चित्र आदि तत्काल समाज का यूरोपीय धार्मिक कट्टर समाज से प्रगतिशीलता दर्शाता है। जहाँ केवल धार्मिक चित्रण की ही प्रमुखता थी।

अतः स्पष्ट है कि मुगल काल में चित्रकला की स्थिति इस स्तर तक विकसित है कि वह सम्पूर्ण मुगल साम्राज्य के इतिहास पुनर्निर्माण में अकेले ही पर्याप्त है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बंगाल की आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियों ने इसे, लंबे समय तक मुगलों के आश्रित प्रांत बने रहना असंभव बना दिया। 15

Economic and geographic conditions of Bengal made it impossible for it to remain a satellite province of Mughals for long. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बंगाल भारत का पूर्वी समुद्रतटीय प्रान्त था जिसकी आर्थिक स्थिति, इसकी व्यापारिक स्थिति की वजह से काफी उच्च रही थी। इसी वजह से प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक बंगाल का सामरिक महत्व अत्यधिक बना रहा।

बंगाल पर प्रभाव के क्रम में सल्तनत काल में बलबन के समय तुगरिल खाँ का विद्रोह, तत्पश्चात तुगलक के समय इसका स्वतन्त्र हो जाना तथा अन्ततः मुगलकाल द्वारा इस पर दीर्घ समय तक नियंत्रण किया गया।

हालांकि मुगल साम्राज्य के पतन के साथ ही बंगाल के नवाब ने अपनी स्वायत्तता कायम कर मुगल साम्राज्य से आश्रय खत्म कर लिया। इस सन्दर्भ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

में निम्नलिखित कारण दृष्टिगत होते हैं :-

i) समु॰ बंगाल एक समुद्रतटीय प्रदेश था अतः इसका चीन, द० पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक रिश्ते कायम थे। अतः इसकी आर्थिक जरूरतों के क्रम में बंगाल सदैव ~~ही~~ आत्मनिर्भर राज्य रहा।

ii) इसी प्रकार रेशम उत्पादन, शोरा उत्पादन, खनिजों की उपस्थिति, गंगा एवं ब्रह्मपुत्र दोआब की उपस्थिति ~~की~~ से जलोढ़ मृदा की कृषि उत्पादकता, गंगा एवं समुद्र सम्बन्धी नौ परिवहन आदि आर्थिक कारकों ने इसे (बंगाल) अन्य साम्राज्यों पर आश्रित रहने की आवश्यकता कभी महसूस नहीं होने दी।

iii) इसी तरह भौगोलिक रूप से मध्यकालीन साम्राज्यों के केन्द्र (दिल्ली/आगरा)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

से दूरी इस पर प्रशासनिक नियंत्रण कठिन बना देती थी।

iv) भौगोलिक रूप से गंगा की उपस्थिति, कोसी नदी की उपस्थिति, इसको सामरिक सुरक्षा में भी सहायता प्रदान करती थी उदाहरण के लिए मानसून के समय इन नदियों में बाढ़ की वजह से इनको पार करना असम्भव हो जाता था।

v) इन्हीं सब वजहों से बंगाल का प्रशासक मौका मिलते ही स्वायत्त शासक की तरह व्यवहार करने लगता था।

अतः स्पष्ट है कि बंगाल की सामरिक, आर्थिक, भौगोलिक स्थिति ने इसको भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाया और अंग्रेजों ने अपने साम्राज्य स्थापना की कुंजी इसी प्रदेश में (बंगाल) प्राप्त की।

7/15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation